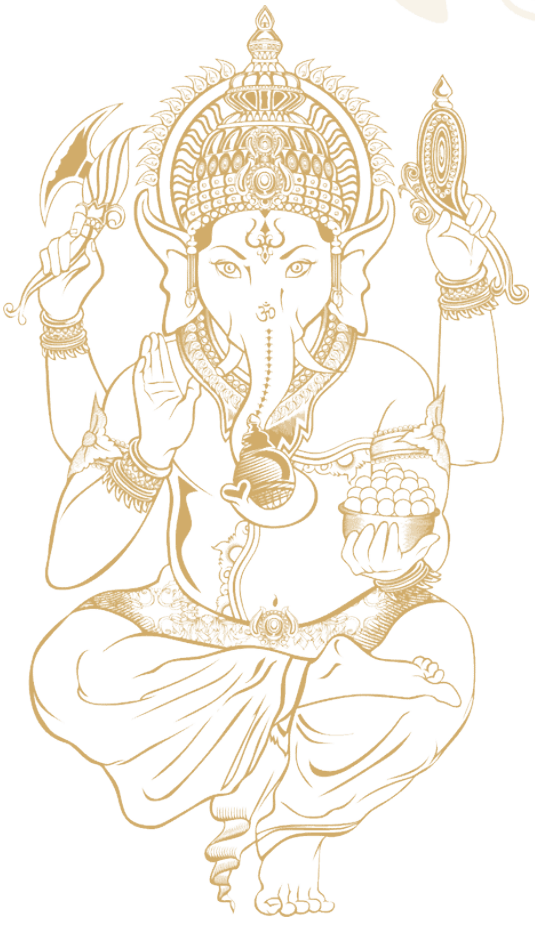

Mr.

23 Aug 2025

01:15 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119198402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/08/2025**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**13:15:00 घंटे**
इष्ट	18:20:58 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:53:52 घंटे
वेलान्तर	-00:02:38 घंटे
साम्पातिक काल	11:01:18 घंटे
सूर्योदय	05:54:36 घंटे
सूर्यास्त	18:52:16 घंटे
दिनमान	12:57:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	06:13:59 सिंह
लग्न के अंश	10:51:03 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	परिघ
करण	किंस्तुघ्न
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे
M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	10:51:03	308:31:43	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	---
सूर्य			सिंह	06:13:59	00:57:51	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			सिंह	07:03:27	12:58:51	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल			कन्या	16:06:08	00:38:25	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
बुध			कर्क	18:25:39	01:21:04	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	22:02:39	00:11:30	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	02:58:05	01:11:25	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	06:22:30	00:03:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:06:20	00:01:04	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:06:20	00:01:04	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:09:57	00:00:42	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:21:09	00:01:22	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	07:43:24	00:01:12	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			सिंह	19:51:20	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:59

लग्न-चलित

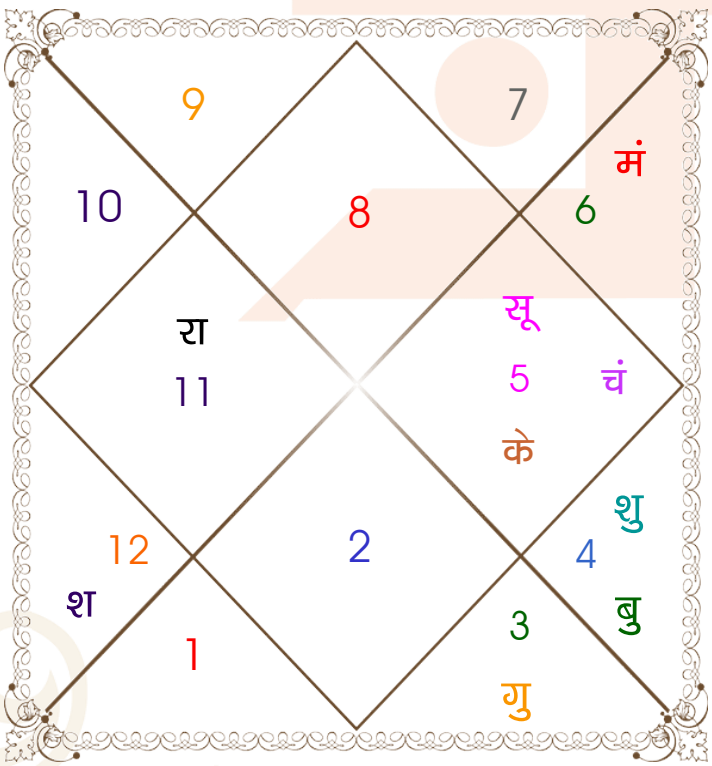

चन्द्र कुंडली

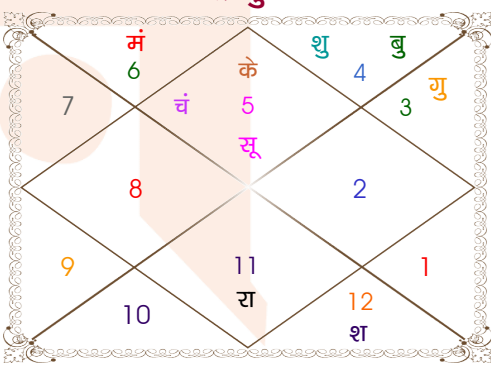

नवमांश कुंडली

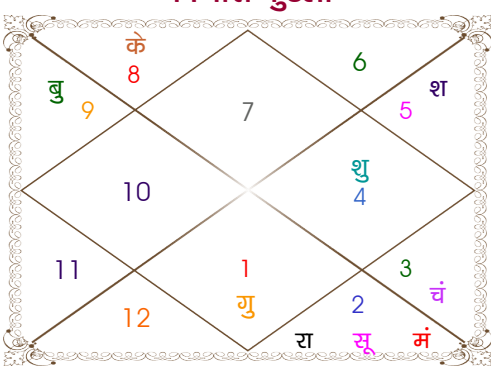

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे

M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,

Bhayandar East Mumbai

9820675981

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 3 मास 16 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
23/08/2025		09/12/2028		09/12/2048		09/12/2054		09/12/2064	
09/12/2028		09/12/2048		09/12/2054		09/12/2064		09/12/2071	
	00/00/0000	शुक्र	09/04/2032	सूर्य	28/03/2049	चंद्र	09/10/2055	मंगल	07/05/2065
	00/00/0000	सूर्य	09/04/2033	चंद्र	27/09/2049	मंगल	09/05/2056	राहु	25/05/2066
	00/00/0000	चंद्र	09/12/2034	मंगल	02/02/2050	राहु	08/11/2057	गुरु	01/05/2067
	00/00/0000	मंगल	08/02/2036	राहु	27/12/2050	गुरु	10/03/2059	शनि	09/06/2068
	23/08/2025	राहु	08/02/2039	गुरु	15/10/2051	शनि	09/10/2060	बुध	06/06/2069
राहु	27/11/2025	गुरु	09/10/2041	शनि	26/09/2052	बुध	10/03/2062	केतु	02/11/2069
गुरु	02/11/2026	शनि	09/12/2044	बुध	03/08/2053	केतु	09/10/2062	शुक्र	02/01/2071
शनि	12/12/2027	बुध	09/10/2047	केतु	09/12/2053	शुक्र	09/06/2064	सूर्य	10/05/2071
बुध	09/12/2028	केतु	09/12/2048	शुक्र	09/12/2054	सूर्य	09/12/2064	चंद्र	09/12/2071

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
09/12/2071		09/12/2089		10/12/2105		10/12/2124		10/12/2141	
09/12/2089		10/12/2105		10/12/2124		10/12/2141		00/00/0000	
राहु	21/08/2074	गुरु	27/01/2092	शनि	13/12/2108	बुध	08/05/2127	केतु	08/05/2142
गुरु	14/01/2077	शनि	09/08/2094	बुध	23/08/2111	केतु	04/05/2128	शुक्र	08/07/2143
शनि	21/11/2079	बुध	14/11/2096	केतु	01/10/2112	शुक्र	05/03/2131	सूर्य	13/11/2143
बुध	09/06/2082	केतु	21/10/2097	शुक्र	01/12/2115	सूर्य	10/01/2132	चंद्र	13/06/2144
केतु	28/06/2083	शुक्र	22/06/2100	सूर्य	12/11/2116	चंद्र	10/06/2133	मंगल	09/11/2144
शुक्र	28/06/2086	सूर्य	10/04/2101	चंद्र	13/06/2118	मंगल	07/06/2134	राहु	24/08/2145
सूर्य	22/05/2087	चंद्र	10/08/2102	मंगल	23/07/2119	राहु	25/12/2136		00/00/0000
चंद्र	20/11/2088	मंगल	17/07/2103	राहु	29/05/2122	गुरु	02/04/2139		00/00/0000
मंगल	09/12/2089	राहु	10/12/2105	गुरु	10/12/2124	शनि	10/12/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 3 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे
M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981

लग्न फल

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के तृतीय चरण में वृश्चिक लग्न के उदयकाल में हुआ था। आपका जन्म तुला नवमांश एवं मीन के द्रेष्काण के प्रभाव से लग्न का प्रभाव अति उच्चाकांक्षी एवं प्रभावशाली प्रतीत होता है एवं सूचित करता है कि आप मात्र निष्कपट प्राणी ही नहीं है, बल्कि आप सर्वथा धनी एवं संभव वैदेशिक परिभ्रमण परिदर्शनार्थी होंगे। आपमें धूमने फिरने की उत्कट लालशा विद्यमान है। आपको कतिपय वैदेशिक भूमि का परिभ्रमण क्रम में कार्य-व्यवसाय की अनुकूलता की संभावनाओं के कारण विदेश में अपना निवास भी बना सकते हैं।

आप अपने जीवन के उद्देश्यित कार्य संपादन हेतु समर्थ होंगे। आप अच्छी प्रकार यह जानते हैं कि लोगों के द्वारा किस प्रकार कुछ भी प्राप्त किया जाता है। आप किसी के साथ भी सन्निकटता प्राप्त करने में मास्टर है तथा शक्ति एवं अधिकृत पद प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय में कैसे उन्नति कर सकते हैं इस युक्ति पर आपको पूर्ण आस्था है। साथ ही आप चिकनी चुपड़ी एवं मीठी-मीठी बातें कर जनसामान्य को अपने वाक्य जाल में फंसा कर अपने प्रति विश्वासी बना लेते हैं। वास्तविकता तो यह है कि आप बाहर से और तथा अंदर हृदय से कुछ और है। आपके वाह्याचरण एवं अंतरंगता में भिन्नता है।

आप अपनी कार्य योजना के गुप्त रहस्यों को स्वयं जानते हो क्योंकि आप अपने अनुकूल समर्थ किसी अन्य को नहीं समझते। इससे आपको आश्चर्यजनक अनुकूलता प्राप्त होती है तथा अकस्मात् उछलकर अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए सुगमतापूर्वक कार्य संपादन कर लेते हैं।

आप में व्यक्तिगत रूप से उच्च महत्वकांक्षा विद्यमान हैं। आपका मुख्य उद्देश्य धन प्राप्त करना है। आप अपनी उपलब्धि के प्रति अपने मस्तिष्क में कोई बल नहीं देते। अर्थात् कोई विशेष चिंतनशील नहीं बनते हैं।

यदि ऐसी परिस्थिति आ जाय कि कोई व्यक्ति अनैतिकपूर्ण आचरण अर्थात् बेईमानी करें तो उसके प्रति प्रतिशोधात्मक रवैया अपनाकर, उसे प्रताड़ित करने अर्थात् सताने लगते हैं। यदि एक बार आप हिंसक प्रवृति अपना लेते है तो फिर आप जहरीले बिच्छू की भांति सतत् उस व्यक्ति को संतप्त करते रहते हैं।

आप भूमि से संबंधित व्यवसाय कर सकते हैं। यथा कृषिकार्य, खदान में खनिज खनन का कार्य, भूमि के नीचे अभियंत्रिकी कार्य आदि जो आपको उपयुक्त लगे वह कार्य कर सकते हैं। आप अभिनय कार्य अथवा कलाभवन अर्थात् साज-शय्या संबंधी कार्य में विशिष्टता प्राप्त कर सकते हैं।

आप परिवारिक जीवन से युक्त रहने को महत्त्व देते हैं। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं समझदार अर्थात् उदीयमान पुत्र से युक्त अपना परिवारिक जीवन यापन हेतु उत्सुक रहते हैं।

आप अपनी आगामी कार्य योजना की अच्छी शुरूआत हेतु आश्वस्त रहते हैं। आप अपनी जीवन संगिनी की उपुयक्ता हेतु जिसका जन्म वृश्चिक, मीन, कर्क, कन्या, मकर अथवा वृष राशि में हुआ है वह जीवन संगिनी आपके लिए अच्छी रहेगी। तब आप उस पत्नी को अपने योग्य चयन कर सकते हैं जो आपको अच्छी संतान एवं सुखमय परिवार का आनंद दे सकती है।

आपके लिए अनुकूल रंग जो जीवन में अनिवार्यता की भूमिका प्रदान कर सके। उस रंग यथा पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंगों का चयन एवं पसंद कर सकते हैं परंतु सफेद रंग, हरा एवं नीला रंग अनुपयुक्त एवं त्याज्यनीय है।

अंकों में 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक आपके लिए अनुकूल है, परंतु 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुपयुक्त है।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।